आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

मंगलवार 18.08.2026 समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश से जन–जीवन प्रभावित। पौड़ी के महरगांव में तीन लोग मलबे में दबे। राहत और बचाव कार्य जारी।
- भारतीय जनता पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम में उत्तराखंड के चार नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई।
- मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने दोनों मंडलायुक्तों को 15 दिनों तक निर्धारित जिलों में कैंप कर फील्ड सत्यापन के निर्देश दिए।
- प्रदेश के आपदा प्रबंधन मॉडल से रूबरू हुए श्रीलंका के 40 अधिकारी। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का किया भ्रमण।

पौड़ी भूस्खलन

राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में रुक–रुक कर बारिश का दौर जारी है। पौड़ी जिला प्रशासन से प्राप्त सूचना के अनुसार आज महरगांव में भूस्खलन होने से चार लोग मलबे में दबे गए, जिनमें से एक महिला को ग्रामीणों की तत्परता से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि घटनास्थल पर एंबुलेंस और मेडिकल टीम भी भेजी गई है और मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। जिलाधिकारी ने आपदा कंट्रोल रूम पहुंचकर विभिन्न क्षेत्रों में बारिश और भूस्खलन की स्थिति, राहत व बचाव कार्यों तथा आवश्यक सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से क्षेत्रवार जानकारी लेते हुए प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मौसम

उधर, बागेश्वर जिले में बारिश के चलते दर्जनों मोटर मार्ग बंद हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हुआ है। बंद मार्गों को खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, सरयू और गोमती नदियों में सिल्ट आने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है और कई क्षेत्रों में गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायत सामने आई है। प्रशासन और संबंधित विभाग प्रभावित क्षेत्रों पर नजर बनाए हुए हैं। चमोली जिले के जोशीमठ क्षेत्र में भारी बारिश के बीच पंचकेदारों में शामिल कल्पेश्वर मंदिर के ऊपर देर रात भारी भूस्खलन हुआ। पहाड़ी से बड़ी मात्रा में मलबा मंदिर परिसर में आ गया, जिससे परिसर और आसपास के क्षेत्र को नुकसान की सूचना है। फिलहाल किसी जनहानि की सूचना नहीं है। तहसील प्रशासन की टीम मौके पर भेजी जा रही है, जो नुकसान का आकलन करेगी। वहीं, अल्मोड़ा में बारिश के कारण नदी–नालों का जलस्तर बढ़ गया है। नालियों की निकासी व्यवस्था प्रभावित होने से बाजार और मुख्य मार्गों पर गंदा पानी भर गया है, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, मौसम विभाग ने आज देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली और बागेश्वर जिलों में कहीं–कहीं तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम की चेतावनी के मद्देनजर शासन–प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

राहत अभियान

चमोली जिले के पीपलकोटी क्षेत्र में सुरंग हादसे में लापता एक और श्रमिक
को बाहर निकाल लिया गया है, जिसे जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर भेजा गया है। अब लापता एक श्रमिक की तलाश के लिए अभियान युद्धस्तर पर जारी है। सुरंग के अंदर संभावित स्थानों पर लगातार सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और संबंधित

विभागों की टीमें आपसी समन्वय के साथ राहत व बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। अभियान की लगातार निगरानी की जा रही है और इसे गति देने के लिए आवश्यक संसाधन व उपकरण मौके पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम की घोषणा की है, जिसमें उत्तराखंड के चार नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं संगठन के अनुभवी नेता महेंद्र पांडेय को राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गढ़वाल से लोकसभा सांसद अनिल बलूनी को राष्ट्रीय मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है। इसके अलावा आलोक भट्ट को सोशल मीडिया सह–संयोजक का दायित्व दिया गया है। भाजपा की नई टीम में उत्तराखंड के चार नेताओं को जिम्मेदारी मिलने को प्रदेश के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व व मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय टीम संगठन की विचारधारा और राष्ट्रसेवा के संकल्प को और अधिक व्यापकता प्रदान करेगी।

एसआईआर

प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण– एसआईआर अभियान को लेकर निर्वाचन विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने सचिवालय में सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एसआईआर की समीक्षा की। उन्होंने दोनों मंडलायुक्तों को अगले 15 दिनों तक निर्धारित जिलों में कैंप कर फील्ड सत्यापन के निर्देश दिए। कुमाऊं मंडलायुक्त नैनीताल और ऊधमसिंह नगर, जबकि गढ़वाल मंडलायुक्त देहरादून और हरिद्वार में कैंप करेंगे। इस दौरान वे विशेष रूप से उन बूथों का सत्यापन करेंगे, जहां मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने के लिए अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिलाधिकारियों को भी बूथों का औचक निरीक्षण कर चेकिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को फॉर्म– 6, 7 और 8 के तहत प्राप्त आवेदनों की नियमानुसार जांच कर दावे–आपत्तियों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

श्रीलंका प्रतिनिधिमंडल

श्रीलंका के 40 सदस्यीय सिविल सेवा अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का भ्रमण कर राज्य में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और नवाचारों की जानकारी ली। राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के तत्वावधान में आपदा प्रबंधन विषय पर आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व चेतावनी प्रणाली, मौसम आधारित जोखिम प्रबंधन, भूस्खलन न्यूनीकरण, तकनीकी संसाधनों के उपयोग और समुदाय की भागीदारी से संचालित आपदा प्रबंधन व्यवस्था को समझा। अधिकारियों ने मानव–वन्यजीव संघर्ष कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी ली। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि विभिन्न देशों के अधिकारियों के साथ संवाद और अनुभवों का आदान–प्रदान आपदा जोखिमों से निपटने की तैयारियों को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की संस्थागत व्यवस्थाओं और तकनीकी नवाचारों को साझा करने के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही प्रभावी प्रणालियों को समझना भी राज्य की आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत करेगा। ऐसे कार्यक्रम आपसी सहयोग बढ़ाने और भविष्य की आपदाओं के लिए अधिक सक्षम एवं लचीली व्यवस्था विकसित करने में सहायक हैं।

स्कूली वाहन चेकिंग

नैनीताल जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर स्कूली छात्र–छात्राओं की सुरक्षित आवाजाही और स्कूली वाहनों में यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए आज सुबह यातायात पुलिस ने हल्द्वानी क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान वाहनों के आवश्यक दस्तावेज, सुरक्षा मानकों और यातायात नियमों के अनुपालन की जांच की गई। जांच में नियमों

और निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित स्कूली वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों और विद्यालय प्रबंधन को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों और यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए।